गंभीर मोड़

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-III (आंतरिक सुरक्षा) से संबंधित है।

द हिन्दू

09 अक्टूबर, 2021

आतंकवादियों से लड़ते हुए प्रशासन को जम्मू-कश्मीर में सिविल सोसाइटी के साथ भी जुड़ना चाहिए।

श्रीनगर में छह दिनों में सात नागरिकों की हत्या कश्मीर घाटी की स्थिति में एक गंभीर मोड़ है। आम लोगों के खिलाफ इस हिंसा की जिम्मेदारी एक ऐसे समूह के द्वारा ली गयी है, जो खुद को प्रतिरोध मोर्चा कहता है। इस समूह को पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा का एक छाया संगठन (shadow organisation) माना जाता है।

ये हत्याएं फिर इस बात को याद दिलाती हैं कि मानसिक स्तर पर मौजूद नफरत रेडिकल इस्लामवाद से प्रेरित होती है। पीड़ितों में स्थानीय मुसलमान भी शामिल हैं जिन्हें देशद्रोही करार दिया गया था, लेकिन हिंदू पंडित और सिख अल्पसंख्यक समुदायों को निशाना बनाना अचूक है।

श्रीनगर के प्रमुख कश्मीरी पंडित मेडिकल स्टोर रखने वाले माखन लाल बिंदू, जिन्होंने 1990 के हिंसक दशक के बाद भी कश्मीर में बने रहने का निर्णय लिया था, उनके इस निर्णय को विस्थापित समुदाय द्वारा एक आशा के रूप में देखा जाता है, उनको गोली मार दी गई। हत्यारों ने पीड़ितों के लिए 'आरएसएस कठपुतली', 'पुलिस मुखबिर' और 'देशद्रोही' जैसे विशेषणों का इस्तेमाल किया।

माजिद अहमद गोजरी और मोहम्मद शफी डार 2 अक्टूबर को मारे गए थे। 7 अक्टूबर को, एक सिख प्रिंसिपल और एक कश्मीर पंडित, जो प्रवासी पंडितों के लिए प्रधानमंत्री के विशेष नौकरी पैकेज के तहत नौकरी करने के बाद घाटी लौट आए थे, को गोली मार दी गई थी।

इस्लामी आतंकवादी लंबे समय से घाटी की नृजातीय सफाई करने की फिराक में हैं। 1990 में हिंसा के बाद कश्मीरी पंडितों को बड़ी संख्या में कश्मीर छोड़ना पड़ा था। 1994 के बाद, अल्पसंख्यकों पर हमले कभी-कभार की घटना हो गए, लेकिन वंधमा हत्याकांड जैसे समय-समय पर हिंसक घटनाएं दिखती रहती थी। वंधमा हत्याकांड में जनवरी 1998 में 23 पंडितों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी और चिट्टीसिंहपुरा नरसंहार, जिसमें मार्च 2000 में अनंतनाग में 35 सिख मारे गए थे।

घाटी में पर्यटकों की आमद में वृद्धि और विकास योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए केंद्र के दबाव की पृष्ठभूमि में हिंसा की लहर चल रही है। प्रशासन भी पंडितों को लौटने के लिए प्रेरित कर रहा है। जम्मू-कश्मीर में केंद्र की नौ सप्ताह लंबी आउटरीच, जहां केंद्रीय मंत्री एलओसी के करीब सहित दूरदराज के जिलों का दौरा कर रहे हैं, का काम चल रहा है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस महीने के अंत में कश्मीर का दौरा कर सकते हैं।

15 अगस्त को स्कूलों सहित सभी सरकारी भवनों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के सख्त निर्देश जारी किए गए थे। प्रशासन द्वारा भी जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जा रही है, भले ही वो मुख्यधारा की पार्टियों की राजनीतिक गतिविधियां या उनसे संबंधित नेता ही क्यों हों। अलगाववादी सहानुभूति रखने वाले संदिग्ध सरकारी कर्मचारियों को दंडित करने के लिए भी एक आक्रामक अभियान चलाया जा रहा है।

इस माहौल में आम नागरिक आतंकियों के सॉफ्ट टारगेट हैं। पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक इस साल जम्मू-कश्मीर में 28 नागरिक मारे गए, जो इस साल अब तक सुरक्षाकर्मियों के 22 मौतों के आंकड़ों से अधिक पहुंच गई है। 28 हत्याओं में से चार स्थानीय हिंदू, एक सिख, दो गैर-स्थानीय हिंदू मजदूर और 21 स्थानीय मुस्लिम थे; 23 राजनीतिक कार्यकर्ता थे, जिनमें से अधिकांश भाजपा के थे।

इस तरह की हिंसा को कोई भी समाज बर्दाश्त नहीं कर सकता। लेकिन आतंकवादियों का खात्मा करते हुए प्रशासन को राजनीतिक दलों और नागरिक समाज संगठनों के साथ भी जुड़ना चाहिए।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

प्र. निम्नलिखित में से कौन सा/से कूट सुमेलित है/हैं?

1. वंधमा हत्याकांड- 1998
2. चिट्टीसिंहपुरा नरसंहार- 2000
3. कश्मीरी पंडितों का विस्थापन- 1990

कूट-

(a) केवल 1 और 2 **(b)** केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3 **(d)** उपर्युक्त सभी

Expected Questions (Prelims Exams)

Q. Which of the following code(s) is/are correctly matched?

1. Vandhama murder case- 1998
2. Chittisinghpura Massacre- 2000
3. Displacement of Kashmiri Pandits - 1990

Code-

(a) 1 and 2 only **(b)** 2 and 3 only

(c) 1 and 3 only **(d)** All of the above

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्र. जम्मू-कश्मीर में पिछले 2 वर्षों में किये गए राजनीतिक- नीतिगत समाधानों के बाद भी नागरिकों पर हिंसा बढ़ती जा रही है,ऐसे में आपके अनुसार सरकार को इस हिंसा को रोकने के लिए अन्य क्या कदम उठाने चाहिए? (250 शब्द)

Q. Violence on civilians is increasing in Jammu and Kashmir even after the political & policy level solutions taken in the last 2 years, in such a situation what other steps according to you the government should take to stop this violence? (250 Words)

नोट :- अभ्यास के लिए दिया गया मुख्य परीक्षा का प्रश्न आगामी UPSC मुख्य परीक्षा को ध्यान में रख कर बनाया गया है। अतः इस प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आप इस आलेख के साथ-साथ इस टॉपिक से संबंधित अन्य स्त्रोतों का भी सहयोग ले सकते हैं।